मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 62, मुंबई, शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मुंबई के पात्रा चॉल केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

73 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए प्रावधानों के तहत पात्रा चॉल केस में 73.62 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह मामला गोरेगांव, मुंबई में मेसर्स गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (जीएसीपीएल) द्वारा संचालित पात्रा चॉल परियोजना के पुनर्विकास में अनियमितताओं से संबंधित है। कुर्क की गई संपत्तियों में आरोपी प्रवीण राउत और उनके करीबी सहयोगियों के पालघर, दापोली, रायगढ़ और ठाणे एवं उसके आसपास स्थित कई भू-खण्ड शामिल हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

संजय राउत की संपत्ति कुर्क

इससे पहले इस मामले में, प्रवीण राउत और संजय राउत की 11.15 करोड़ रुपए की संपत्ति ईडी कुर्क की चुकी है। जो प्रवीण को मिले 95 करोड़ रुपये के पीओसी का हिस्सा पाई गई थी। इसके अलावा, गोवा में स्थित संपत्तियों के रूप में राकेश कुमार वाधवान और सारंग वाधवान की 31.50 करोड़ रुपए की संपत्ति भी इस कार्यालय द्वारा कुर्क की गई थी। ईडी ने इस मामले में अब तक 116.27 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

खेलते-खेलते कार में पहुंचे भाई-बहन, अंदर से गाड़ी हो गई लॉक

एंटॉपहिल में दो बच्चों की मौत

पुलिस के मुताबिक दोनों बच्चों की मौत कार के अंदर दम घुटने से हुई है, मृत लड़के का नाम साजिद और लड़की का नाम मुस्कान है

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुबंई से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दो बच्चों के शव कार के अंदर से मिले हैं। ये दोनो बच्चे खेलते-खेलते अपने घर से कार में आ गए थे और कार का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था। इस वजह से दम घुटने से उन दोनों की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस की टीम ने शवों को कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। घटना मुंबई के एंटॉपहिल इलाके की है। खबरों के मुताबिक, इस इलाके में ये दोनों भाई-बहन अपने माता-पिता के साथ रहते थे। इनमें एक सात साल का लड़का और उसकी 5 साल की एक बहन थी। 24 अप्रैल को दोनों भाई-बहन घर से खेलने के लिए निकले थे। इनके परिवार वालों के मुताबिक, दोनों बच्चे काफी देर तक घर वापस नहीं लौटे थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में चलेगी हीटवेव ठाणे और रायगढ़ के लिए भी लू का अलर्ट

फिर 40 पार होगा पारा !

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई में फिर एक बार तपता सूरज कहर बरपाने वाला है। भीषण गर्मी से बचने के लिए लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने शनिवार 27 से सोमवार 29 अप्रैल तक हीट वेव का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। मुंबई के अलावा ठाणे और रायगढ़ के लिए भी चेतावनी जारी की गई है। देश के कई राज्यों में भयंकर गर्मी पड़ रही है। महाराष्ट्र के भी कई हिस्से तप रहे हैं। राज्य में तापमान 40 डिग्री के पार जा रहा है। इससे हीट वेव की स्थिति बन रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

27 से 29 अप्रैल तक लू का अलर्ट

सुषमा नायर, मौसम वैज्ञानिक (आईएमडी-मुंबई) ने बताया, 27 से 29 अप्रैल तक लू का अलर्ट जारी किया गया है। ठाणे, रायगढ़ और मुंबई के कई हिस्सों में एक गैर-चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। जिसके कारण तापमान में वृद्धि होगी। 27 और 28 अप्रैल को तापमान काफी अधिक रहने का अनुमान है। लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

लोन माफी, महाराष्ट्र में लूट रोकने का वादा...

उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी किया मेनिफेस्टो

मुंबई। शिव सेना ठाकरे समूह (यूबीटी) के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र का फोकस कृषि ऋण माफी, नौकरियों और महाराष्ट्र की लूट को रोकना है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में दूसरे चरण के चुनाव के लिए कल मतदान हो रहा है। हम सभी ने यह तो सुना ही होगा कि कहा जाता था कि राम का जाप करने से भूत भाग जाता है। मैं सच या झूठ नहीं जानता। बीजेपी की स्थिति अब अजीब हो गई है। चूंकि बीजेपी को अब हार का सामना करना पड़ रहा है तो वह अब राम-राम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम गठबंधन में एक घटक दल के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पास गए थे। वह क्षण आज भी मेरी आंखों के सामने है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में बनेगी गठबंधन की सरकार

उन्होंने कहा कि एक खोखली डबल इंजन सरकार गठबंधन सरकार को धोखा देकर महाराष्ट्र को लूटने की योजना को अंजाम दे रही है। जाहिर तौर पर उन्हें केंद्र का आशीर्वाद प्राप्त है। महाराष्ट्र में उद्योगों को हाईजैक किया जा रहा है। हीरा व्यापार को हाईजैक किया जा रहा है, क्रिकेट मैच को हाईजैक किया जा रहा है। फिल्मफेयर इवेंट को हाईजैक किया जा रहा है। सब कुछ को हाईजैक किया जा रहा है। महाराष्ट्र की इज्जत लूटी जा रही है। उद्धव ठाकरे ने आश्वासन दिया कि इंडिया गंठबंधन सरकार बनने के बाद हम इस लूट को रोकेंगे। उन्होंने कहा कि अब केंद्र में इंडिया गंठबंधन सरकार आएगी। उसके बाद महाराष्ट्र में गठबंधन की सरकार आएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ग्राहक सुरक्षा की उपेक्षा

जब इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग का चलन बढ़ता जा रहा है, उस दौर में रिजर्व बैंक के नियमों पर गंभीरता से अमल ना करना ग्राहकों को खतरे में डालना ही माना जाएगा। कोटक महिंद्रा बैंक ऐसी ही अगंभीरता दिखाई।

कोटक महिंद्रा बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई के दायरे में आने वाला नया वित्तीय संस्थान बना है। इसी वर्ष पेटीएम बैंक, जेएम फाइनेंशियल, और आईआईएफएल फाइनेंस पर भी रिजर्व बैंक को कार्रवाई करनी पड़ी। इसके पहले 2023 में बैंक ऑफ बड़ौदा और बजाज फाइनेंस को आरबीआई ने अपनी कार्रवाई के घेरे में लिया था। कुछ और पहले जाएं, तो एचडीएफसी बैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस, मास्टर कार्ड और एम एंड एम फाइनेंस के नाम भी इस श्रेणी में आते हैं। इन सभी संस्थानों के मामले में सामान्य बात यह है कि उन्होंने ग्राहकों और उनके डेटा की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध नहीं किए। एचडीएफसी बैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस, मास्टर कार्ड और एम एंड एम फाइनेंस ने कार्रवाई के बाद अपने यहां सुधार के कदम उठाए, जिसके बाद उन पर लगे प्रतिबंध हटा लिए गए थे। लेकिन बाकी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर लगीं पाबंदियां अभी भी जारी हैं। अब कोटक महिंद्रा बैंक के नए ग्राहक बनाने या नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रिजर्व बैंक ने रोक लगा दी है। रिजर्व बैंक ने लगातार दो वर्ष 2022 और 2023 में कोटक महिंद्रा बैंक को अपनी चिंताएं बताईं। लेकिन कोटक महिंद्रा बैंक उन्हें दूर करने के उपाय करने में नाकाम रहा। ये चिंताएं साइबर सुरक्षा, सूचना तकनीक संबंधी जोखिम और सूचना प्रबंधन संबंधी जोखिमों से संबंधित थीं। रिजर्व बैंक ने इन सभी मामलों में विशेष नियम बना रखे हैं। जब इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग का चलन बढ़ता जा रहा है, उस दौर में इन नियमों पर गंभीरता से अमल ना करना ग्राहकों को खतरे में डालना ही माना जाएगा। ध्यान देने योग्य है कि खासकर प्राइवेट बैंकों में उच्च एवं उच्च मध्य वर्गीय ग्राहक ही जाते हैं, जो अधिकतर इंटरनेट के जरिए अब बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह गौरतलब है कि पिछले चार वर्षों में रिजर्व बैंक की कार्रवाई के दायरे में जो संस्थान आए हैं, उनमें एक को छोड़ कर सभी निजी क्षेत्र के वित्तीय संस्थान हैं। वैसे आज के दौर में कोई वित्तीय संस्थान लापरवाही का जोखिम नहीं उठा सकता। इसलिए रिजर्व बैंक की ताजा कार्रवाई को स्वागतयोग्य माना जाएगा।

2024 है कई व्यक्तियों के बीच चुनने का चुनाव!

विदर्भ (दस सीटे) में बड़ी संख्या में सभी जातियों के लोग उद्धव ठाकरे और शरद पवार के प्रति सहानुभूति रखते है। खासकर अधेड़ और बुजुर्ग और इस या उस राजनैतिक विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध जनसामान्य, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ जो हुआ, उससे दुखी और खफा प्रतीत होते हैं

मुंबई हलचल/संवाददाता

सूरज के तेवर जैसे-जैसे गर्म हो रहे हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक गर्मी भी बढ़ रही है।मतदान के दूसरे चरण से पहले ही चुनाव प्रचार भावनात्मक मुद्दों ने तूल पकड़ लिया है। भाषण वे हो गए है जिसकी तल्खी का असर जमीन पर भी दिखने लगा है। दिल्ली में या अपने-अपने शहरों में बैठे हुए हम लोग उस नैरेटिव पर सहज विश्वास कर लेते हैं जो हमारे सामने बार-बार और जोरदार तरीके से परोसा जाता है। हमें यह महसूस कराया जाता है कि 2024 का चुनाव, 2014 या 2019 जैसा ही है। हमें यह भरोसा दिलाया जाता है कि चुनाव असल में राहुल गांधी और नरेन्द्र मोदी के बीच में मुकाबला है - और चुनना हैडायनेमिक, कर्मवान नरेन्द्र मोदी और उनके आगे फिसड्डी से राहुल गांधी में से एक को। लेकिन जमीनी स्तर पर 2024 कुछ अलग है। चुनाव सिर्फ इन दोनों व्यक्तियों का मुकाबला नहीं है। यह कई व्यक्तियों के बीच का चुनाव है, भरोसे की कसौटियों परजनता द्वारा अनेक व्यक्तित्वों में एक को चुनने का अवसर है। और इसमें मुद्दों, समस्याओं और भावनाओं सभी का महत्व है।

इस सप्ताह मैंने विदर्भ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और मुझे यह महसूस हुआ कि ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका लोगों के दिलो-दिमाग पर काफी प्रभाव है, उन पर बातचीत और लोगों में गंभीर विचार-विमर्श हैं। लोगों की निराशा और मायूसी साफ नजर आती है। वे स्पष्ट शब्दों में बताते हैं कि वे किसे पसंद नहीं करते और किस वजह से नहीं करते। आज जब नेता लोग विचारधारा को महत्व नहीं दे रहे हैं तब लोगों के मुंह से यह सुनना सुखद है कि वे इस या उस विचारधारा में किस पर यकीन रखते हैं! विदर्भ एक समय सेन्ट्रल प्रोविन्सेस एंड बरार का हिस्सा था और महाराष्ट्र का यह इलाका मध्यप्रदेश से सटा हुआ है। इस वजह से लोग धाराप्रवाह हिंदी बोल लेते हैं। और जैसा एक स्थानीय पत्रकार ने कहा, विदर्भ की बहुत सी बहुएं इंदौर की हैं और इसका उलट भी सही है। यहां के निवासी अपने घर आने वाले का बहुत गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। अतिथि सचमुच उनके लिए देवो भव है। इस भीषण गर्मी में, मैं जब भी बातचीत करने के लिए कहीं रूकी, तो पहले मुझे ठंडी लस्सी या आइसक्रीम पेश की गई और उसके बाद बातचीत शुरू हुई। चचाओं के दौरान मैंने पाया

कि यहां के लोग स्पष्ट, खुल कर बात करते हैं। उनकी बातें तर्कसंगत और अर्थपूर्ण होती हैं। वे अपनी बात और अपनी राय बेझिझक आपके सामने रखते हैं। वे अपनी जाति को लेकर बहुत मुखर नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक और वैचारिक आस्था को खुलकर प्रदर्शित करते हैं। रामनवमी, हनुमान जयंती और अम्बेडकर जयंती के समय में भगवा और नीला रंग मुझे यहाँ छाया दिखा। आस्था का मामला ही है जिसने 2024 के चुनाव को विदर्भ में इतना दिलचस्प बना दिया है। भारत में राजनीति भी, धर्म जितना ही जुनून पैदा करती है, यह यहां दिखा। आखिर जब नेताओं ने खुलेआम राजनीति और धर्म का घालमेल बनाया हैतो जनता अपनी आस्था के आधार पर अपनी राय बताने में क्यों हिचके?

लेकिन एक बात तो माननी पड़ेगी। और वह यह कि विदर्भ में बड़ी संख्या में सभी जातियों के लोग उद्धव ठाकरे और शरद पवार के प्रति सहानुभूति रखते है। पूरे विदर्भ में भाजपा के प्रति लोग अपना असंतोष व्यक्त करते हैं - सही नहीं किया बीजेपी ने, बीजेपी चोर है आदि, आदि। बड़ी संख्या में, खासकर अधेड़ और बुजुर्ग और इस या उस राजनैतिक विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध जनसामान्य, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ जो हुआ, उससे दुखी और खफा प्रतीत होते हैं। ऊपर से वहां के अखबारों में भाजपालगातार ऐसे विज्ञापन दे रही है जिनमें मोदी के तस्वीर के ठीक ऊपर बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर इस तरह लगी होती है मानों ठाकरे मोदी पर आशीर्वाद बरसा रहे हों (मैंने पाया कि विदर्भ में लोग अखबार खूब पढ़ते हैं और ध्यान से पढ़ते हैं)। मगर इस तरह का प्रचार बालासाहेब के प्रति वफादार शिवसैनिकों में गुस्सा पैदा कर रहा है। वे समझ रहे है, देख सकते हैं कि क्या हो रहा है और क्या होने वाला है। वे भाजपा और उसकी राजनीति के शिवसेना पर दूरगामी प्रभाव से वाकिफ हैं। दरअसल, शायद भाजपा ने महाराष्ट्र में जो कुछ किया, उसे करने से पहले उसने राजनेताओं के व्यक्तिगत प्रभाव, उनके प्रति लोगों की व्यक्तिगत वफादारी को ध्यान में नहीं रखा। नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम ठाकरे परिवार और शरद पवार के व्यक्तिगत प्रभाव, उनकी जनता में धमक का आंकलन सही नहीं कर सकी। तभी जो कुछ हुआ है उसके चलते उलटे इन दोनों का प्रभाव और बढ़ा ही है। मोदी का चेहरा 2014 और 2019 में लोगों के लिए जिस तरह का आकर्षण रखता था झ और उत्तर भारत के कई इलाकों में अब भी रखता है - वैसा ही आकर्षण विदर्भ में फिलहाल ठाकरे और पवार के लिए है। चुनावी राजनीति में केवल अपने व्यक्तित्व के बल पर लोगों के मूड को बदलना एक महत्वपूर्ण हथियार होता है और कदाचित जीत के लिए जरूरी कारकों में से यह सबसे अहम है। किसानों की बदहाली, आर्थिक परेशानियाँ और बेरोजगारी - ये सब चर्चा के मुद्दे हैं और ये सब लोगों में गुस्सा जगा रहे हैं। खासदारों (वर्तमान सांसदों) के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी भी है। औद्योगिक विकास का अभाव झ जो अक्सर स्थानीय मुद्दा होता है और विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका निभाता है झ इस बार लोकसभा चुनाव में भी एक बड़ा मुद्दा बना है। इससे ऐसा लगता है कि विदर्भ की 10 सीटों में से अधिकांश में जीत की राह किसी भी पार्टी के लिए आसान नहीं है।आखिर कब-जब स्थानीय मुद्दे, पार्टियों के किलों और दुर्गों की नींव को हिला ही देते हैं। मगर इसका यह मतलब नहीं है कि राष्ट्रीय नैरेटिव की कोई अहमियत नहीं बची है।

विदर्भ की दसों सीटों में तेली और कुनबी जातियों के अलावा, मुसलमानों की खासी आबादी है। यह हार-जीत के अंतर को कम-ज्यादा भी कर सकती है और पाट भी सकती है। उत्तर भारत के विपरीत, विदर्भ के दलित मतदाता राजनैतिक दृष्टि से जागरूक हैं और बाबासाहेब अम्बेडकर के प्रति असीम श्रद्धाभाव रखते हैं। इसीलिये कहा जा रहा है कि प्रकाश अम्बेडकर और उनकी वंचित बहुजन अघाड़ी यहाँ दलित वोटों में सेंध लगाकर भाजपा को फायदा पहुंचा सकती है। मगर जमीन पर ऐसा नहीं लगता। स्थानीय पत्रकार कहते हैं कि प्रकाश अम्बेडकर का अपना कोई प्रभाव नहीं हैं और ना ही लोगों में उनकी कोई पैठ है। उनकी नाव के खेवनहार केवल बाबासाहेब हैं। यह बात उनके समुदाय का एक तबका समझता है। उनके लिए संविधान पर मंडरा रहा खतरा ज्यादा महत्वपूर्ण है। और यही मुसलमानों के बारे में भी सच है। विपक्ष का यह दावा कि यदि भाजपा 400 पार जाती है तो वो संविधान में आमूलचूल बदलाव कर देगी, लोगों के दिलों में घर कर गया है और प्रकाश अम्बेडकर इस डर से लोगों को मुक्त करने में सक्षम नहीं हैं।

सन 2019 में विदर्भ की दस में से पांच सीटें जीतकर भाजपा सबसे आगे थी। उसने वर्धा, नागपुर, गढ़चिरोली-चिमूर, भंडारा-गोंदिया और अकोला सीटें जीती थीं। मगर उस समय नरेन्द्र मोदी का चेहरा लोगों को पसंद था और शिवसेना एक थी। बालासाहेब ठाकरे के नाम और उनकी विरासत के तब दो दावेदार नहीं थे। मगर 2024, न तो 2014 है और न ही 2019।हर राज्य, हर राज्य के हर क्षेत्र में अलग-अलग नैरेटिव हैं और अलग-अलग व्यक्तित्वों का प्रभाव है। यह कहना गलत होगा कि विदर्भ में किसी भी एक पार्टी या व्यक्तित्व की बढ़त है। विदर्भ में कई मुद्दे है और यहाँ कई व्यक्तित्वों का प्रभाव है। सहानुभूति भी है, आस्था भी है, टूटे हुए वायदे हैं और नए वायदे भी। हमारे टीवी और टाइमलाइनों पर जो एक-तरफा नैरेटिव हमें दिखाई दे रहा है वह आभासी है। उसका जमीनी लड़ाई में कोई अर्थ नहीं है। जहाँ जीत-हार का अंतर कम है, वहां स्थानीय मुद्दे निर्णायक हो सकते हैं और इन्हें दिल्ली की प्रेस, राष्ट्रीय नैरिटिव अक्सर नजरअंदाज करता है। और अंत में, किस बात का, किस चीज काअसर हुआ और किस का नहीं यह तो 4 जून को ही पता चलेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुद्दों और स्थिति को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं ग्लोबल साउथ के देश: जयशंकर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई/हैदराबाद। भारत को 'ग्लोबल साउथ' की आवाज करार देते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश विश्व में अपने मुद्दों और स्थिति को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं। जयशंकर ने मंगलवार को यहां विदेश नीति पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। 'फॉरेन पॉलिसी द इंडिया वेः फ्रॉम डिफिडेंस टू कॉन्फिडेंस' पर बोलते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 10 वर्षों में भारत को दुनिया भर में किस तरह से महत्व दिया गया है। जयशंकर ने सत्र को संबोधित करते हुए मंगलवार रात सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक वीडियो पोस्ट किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, देश आज अगले 25 वर्षों के लिए किस तरह की तैयारी कर रहा है,

यह वह मानसिकता है, जिसके साथ हमें दुनिया के सामने आने की जरूरत है। इसके अलावा, वैश्विक मंच पर भारत की प्रमुखता की सराहना करते हुए जयशंकर ने कहा कि किसी भी तरह भारत तक पहुंचने, भारत से जुड़ने और भारत के साथ काम करने में विश्व की बहुत रुचि है। जी20 शिखर सम्मेलन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी अध्यक्षता के दौरान कई देश भारत से जुड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा कि लोगों को कई प्रकार की शंका थी, मगर इसके बावजूद भारत जी20 समिट के दौरान विभिन्न विषयों पर आम सहमति बनाने में सक्षम रहा। आप केवल अंतिम निर्माण देख रहे हैं, लेकिन पर्दे के पीछे बहुत काम होता है। विदेश मंत्री ने कहा, 'मोदी की गारंटी वैश्विक है। इस पर सीमाओं का जोर नहीं। हमने मोदी की गारंटी कोविड में देखी है। हमने इसे यूक्रेन के संघर्ष के दौरान देखा है। हमने इसे सूडान में देखा है। हाल ही में इस्त्राइल के दौरान भी हमने मोदी की गारंटी का असर देखा है।

टाटा मोटर्स ने मैजिक के ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की

सेगमेंट में पहले मैजिक बाई- फ्यूल को लॉन्च किया

मुंबई हलचल/संवाददाता

नवी मुंबई। भारत के सबसे बड़े कॉमर्शियल वाहनों के निमार्ता, टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे पसंदीदा टाटा मैजिक वैन के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ाने के लिए नया वैरिएंट मैजिक बाई-फ्यूल भी लॉन्च किया। अंतिम गंतव्य तक परिवहन की सुविधा प्रदान करने में विश्वसनीय, दक्ष और किफायती होने के लिए मशहूर, 10 सीटर टाटा मैटिक यात्रियों और ऑपरेटर्स के लिए एकदम उपयुक्त पसंद है। टाटा मैजिक की स्लीक डिजाइन, सुरक्षा और यात्रियों का आराम पिछले इतने सालों से जारी इसकी निरंतर सफलता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। टाटा मैजिक कई उपयोगी फीचर्स के साथ आती है, जिसमें इको स्विच, गियरशिफ्ट एडवाइजर और बेहतरीन ड्राइवर एर्गोनॉमिक्स जैसे कई बेहतरीन फीचर्स शामिल हैं और इन सबका लक्ष्य स्वामित्व की कुल लागत को कम करना है। मैजिक छात्रों और कंपनियों के स्टाफ को उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं। मैजिक बाई-फ्यूल 694 सीसी इंजन से लैस है और यह 60 लीटर के सीएनजी टैंक के साथ पांच लीटर के पेट्रोल टैंक में आता है। एक बार

पूरी टंकी फुल होने पर यह 380 किलोमीटर तक चल सकती है। बेमिसाल परफॉर्मेंस और रख-रखाव की कम लागत के साथ मिलने वाली, मैजिक पर 2 साल या 72 हजार किमी की असाधारण वारंटी दी गई है। टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड श्री आनंद एस. ने इस उपलब्धि के बारे में कहा, हम बहुउपयोगी मैजिक ब्रांड के लिए 4 लाख खुशहाल ग्राहकों की उपलब्धि हासिल करने बहुत खुश हैं। मैजिक भरोसे, दक्षता और कम्फर्ट की 4 लाख यात्राओं का जश्न मना रहा है और यह भारत में सार्वजनिक परिवहन का सबसे पसंदीदा प्रोडक्ट बना हुआ है। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, हमने अपने सेग्मेंट में पहली बार मैजिक बाई-फ्यूल लॉन्च किया है, जिसमें पेट्रोल की विस्तारित रेंज के साथ सीएनजी के फायदे भी हैं। इस नए वैरिएंट को सार्वजनिक परिवहन की उभरती जरूरतों को पूरा करने के साथ हमारे उपभोक्ताओं की मुनाफा कमाने की क्षमता और सुविधा को बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हम अपने उपभोक्ताओं के सहयोग और निष्ठा के लिए आभारी हैं और उपभोक्ताओं को लगातार यातायात के बेहतरीन साधन प्रदान करने के लिए समर्पित बने हुए हैं। एक संपूर्ण परिवहन समाधान प्रदाता के रूप में, टाटा मोटर्स के कमर्शल वाहन कई उन्नत खूबियों, कुशल पावरट्रेन्स और बेहतरीन मूल्यवर्धन के साथ आते हैं। इन गाड़ियों के मालिक टाटा मोटर्स फ्लीट ऐज के माध्यम से ईंधन की बचत, कम संचालन लागत, वाहनों के संचालन का समय बढ़ाने, रियल टाइम ट्रैकिंग और एनालिटिक्स का लाभ उठा सकते हैं। इसकी संपूर्ण सेवा 2.0 पहल से वाहनों की पूरी जिंदगी तक उनके प्रबंधन और रखरखाव की बेहतर सुविधाएं उपभोक्ताओं को मिलती है, जिसमें फ्लीट मैनेजमेंट सोल्यूशंस, सालाना मेटनेंस कॉन्ट्रैक्ट और अन्य सुविधाओं के अलावा रोडसाइड असिस्टेंस की सुविधा मिलती है। टाटा मोटर्स का 2500 से ज्यादा टचपॉइंट्स का एक बड़ा नेटवर्क है, यहां प्रशिक्षित विशेषज्ञों का स्टाफ है और इन्हें टाटा जेन्यूइन पार्ट्स का समर्थन मिला है। टाटा मोटर्स बेमिसाल गुणवत्ता और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई के पात्रा चॉल केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

ईडी ने कार्यकारी अभियंता, म्हाडा, मुंबई द्वारा दायर शिकायत के आधार पर मेसर्स जीएसीपीएल, राकेश कुमार वाधवान, सारंग कुमार वाधवान और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), मुंबई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और आरोप पत्र दिनांक 11 दिसंबर 2020 के आधार पर जांच शुरू की। ईडी की जांच से पता चला कि मेसर्स जीएसीपीएल, जिसे 672 किराएदारों के पुनर्वास के लिए पात्रा चॉल परियोजना के पुनर्विकास का काम सौंपा गया था, महत्वपूर्ण वित्तीय कदाचार में शामिल रही है। सोसायटी, म्हाडा और जीएसीपीएल के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें डेवलपर (जीएसीपीएल) को 672 किरायेदारों को फ्लैट प्रदान करना था। इसमें म्हाडा के लिए फ्लैट विकसित करना था और उसके बाद शेष भूमि क्षेत्र को बेचना था। हालांकि, मेसर्स जीएसीपीएल के निदेशकों ने म्हाडा को गुमराह किया और 672 विस्थापित किरायेदारों लिए पुनर्वास हिस्से और म्हाडा के लिए फ्लैटों का निर्माण किए बिना, 9 डेवलपर्स को धोखाधड़ी से फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) बेच कर रुपये 901.79 करोड़ (लगभग) की राशि एकत्र करने में कामयाब रहे। ईडी की जांच से पता चला है कि पीओसी का एक हिस्सा, जिसकी कीमत 95 करोड़ रुपये है, मेसर्स जीएसीपीएल के निदेशक प्रवीण राउत ने अपने निजी बैंक खातों में भेज दिया था।

एंटॉपहिल में दो बच्चों की मौत

इसके बाद इनके माता-पिता ने ढूंढने के लिए खोजबीन शुरू की थी। काफी देर हो गई थी लेकिन बच्चे कहीं नहीं मिले, इसके बाद घबराए माता-पिता पास के पुलिस थाने पहुंच गई। माता-पिता ने दोनों के लिए थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई और पुलिस से बच्चों को ढूंढने के लिए गुहार लगाई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम एक्शन मोड में आ गई। पुलिस ने तुरंत बच्चों के लापता होने की शिकायत दर्ज कर, मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच की। साथ ही आसपास के इलाके में भी बच्चों की तलाशी की गई लेकिन बच्चों का कही पता नहीं चल सका। इस दौरान पुलिस की नजर पास के इलाके में खड़ी एक पुरानी कार पर गई। यह कार मिट्टी और धूल में लिपटी हुई थी। पुलिस को दोनों बच्चों के शव एक इसी कार के अंदर से मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों बच्चे ने खेलते हुए इस गाड़ी को अंदर से लॉक कर लिया था। इस दौरान दम घुटने से दोनों की मौत हो गई। मृत लड़के का नाम साजिद और लड़की का नाम मुस्कान है। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। वहीं मृतक बच्चों के परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुंबई में चलेगी हीटवेव

मौसम विभाग के अनुसार 26 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है। इसका सकुर्लेशन 25 अप्रैल को दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान और इससे सटे पश्चिमी राजस्थान पर स्थित होगा। इसके प्रभाव से गुरुवार को दक्षिण पूर्व राजस्थान, उत्तरी गुजरात और दक्षिण पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश और गरज के साथ बारिश की संभावना है। इसका प्रभाव राज्य पर भी पड़ेगा। मुंबई, ठाणे और रायगढ़ के कई हिस्सों में एक एंटी-साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ है, जिसके कारण तापमान में वृद्धि होगी। 27 और 28 अप्रैल को तापमान काफी अधिक रहने का अनुमान है और हीट वेव चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार हीट वेव की आधिकारिक मान्यता तब दी जाती है, जब तापमान मैदानी इलाकों में 40 डिग्री, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री और पहाड़ी इलाकों में 30 डिग्री तक पहुंच जाता है। बुधवार को कुलाबा में अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री और सांताक्रूज में अधिकतम 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मुंबई और आस-पास के इलाकों के लिए इस महीने हीट वेव का ये दूसरा अलर्ट है। इससे पहले 15 और 16 अप्रैल को भीषण गर्मी की चेतावनी दी गई थी। शहर में अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री दर्ज किया गया था।

लोन माफी, महाराष्ट्र में लूट रोकने का वादा

राष्ट्रपति खुद हैरान थे। क्योंकि कई सालों के बाद देश में एक पार्टी सत्ता में आई थी। उस वक्त बीजेपी ने बहुमत का आंकड़ा छू लिया था। फिर उन्होंने नोटबंदी कर दी। फिर साल 2019 में वे दोबारा सत्ता में आये। उन्होंने धारा 370 हटा दी, हम तब भी उनके साथ थे। लेकिन अब उनकी क्रूर चाहत सामने आ गई है। वे क्रूर बहुमत चाहते हैं ताकि वे देश के संविधान को बदल सकें, देश में लोकतंत्र की हत्या कर सकें। यह उनके सपने का खुलासा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र पेश कर दिया है।

नवी मुंबई में कपड़ा दुकानदार ने 10 साल की दो बच्चियों के साथ किया दुष्कर्म

मुंबई हलचल/संवाददाता

नवी मुंबई। *मुंबई से सटे नवी मुंबई के पावने गांव के एक कपड़ा दुकानदार द्वारा दो नाबालिग लड़कियों को दुकान में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस मामले में दुकानदार विकास शिवलखन रस्तोगी (22) पर तुर्भे एमआईडीसी पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार इस मामले में गिरफ्तार आरोपी विकास रस्तोगी तुर्भे गांव में रहता है और पावने गांव में उसकी कपड़े की दुकान है। 10 और 11 साल की दो नाबालिग लड़कियां पिछले शनिवार दोपहर करीब 2 बजे रस्तोगी की दुकान पर कपड़े देखने गई थी। इस दौरान आरोपी दोनों पीड़ित लड़कियों को कपड़े चेक करने के बहाने दुकान के अंदर ले गया। इसके बाद वह दोनों लड़कियों को एक बंद कमरे में ले जाकर उनके साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित लड़कियों ने अपने घर जाकर अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद उन्होंने मंगलवार को तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके मुताबिक पुलिस ने आरोपी विकास रस्तोगी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।*

खबर संक्षेप

अहमदाबाद में चले पत्थर, महिला की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक स्थानीय मंदिर उत्सव के पर्चे में नाम प्रकाशित

करने को लेकर दो गुटों में झड़प हो गई। इस झड़प में एक 80 वर्षीय महिला की सीने पर पत्थर लगने से मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल भी हुए। मृतक की पहचान लीराबेन भरवाड के तौर पर की गई है। मंदिर उत्सव में एक समूह पर्चे में कुछ नाम शामिल करना चाहता था, लेकिन दूसरे समूह को आपत्ति थी।

संदेशखाली केस में 5 को बनाया आरोपी

कोलकाता। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 5 प्रभावशाली लोगों के खिलाफ

जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध पहला मामला दर्ज किया है। यह मामला भूमि हड़पने का है जहां पीड़ित परिवार की महिलाओं को प्रभावशाली लोगों से कथित रूप से यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। आरोपियों और पीड़ितों की पहचान उजागर नहीं की है।

सूर्यापेट में कार-ट्रक की टक्कर, 6 लोगों की मौत

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट में गुरुवार को भीषण सड़क दुर्घटना में एक बच्ची सहित 6 लोगों की मौत

हो हई। एक कार की ट्रक से टक्कर हो गई। यह दुर्घटना हैदराबाद से लगभग 180 किमी दूर स्थित इस जिले के कोडाडा शहर के पास हुई। ये मृतक कार में सवार थे। गुरुवार तड़के हादसा के वक्त कार में 10 लोग सवार थे। 4 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

विवाहित जोड़े की संपत्ति से जुड़े केस में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

पत्नी के धन पर पति का 'नियंत्रण' नहीं सोने के बदले 25 लाख रु. लौटाने होंगे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विवाहित जोड़े की संपत्ति से जुड़े एक मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक पति का पत्नी के 'स्त्रीधन' (महिला की संपत्ति) पर कोई नियंत्रण नहीं होता।

10 साल से अधिक पुराने केस में अपने हक के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला की सुनवाई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ में हुई। कोर्ट ने पत्नी के 'स्त्रीधन' पर पति का नियंत्रण होने के मामले में अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि संकट के समय पति 'स्त्रीधन' का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन संपत्ति लौटाना उसका नैतिक दायित्व है। एक महिला के खोए सोने के बदले 25 लाख रुपए लौटाने का निर्देश देते हुए यह बात कही।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने दिया फैसला

पति और उसकी मां पर आभूषणों की हेराफेरी के आरोप

महिला के मुताबिक, शादी की पहली रात उसके पति ने सभी गहने अपने कब्जे में ले लिए। गहनों को सुरक्षित रूप से सहेजने के नाम पर उसने गहने अपनी मां को दे दिए। महिला के आरोप के मुताबिक पति और उसकी सास ने अपनी पुराने कर्जों का निपटारा करने के लिए उसके गहनों का दुरुपयोग किया। मामला अदालत में पहुंचने के बाद फैमिली कोर्ट ने 2011 में पारित फैसले में महिला के आरोपों को सही पाया। कोर्ट ने पति और उसकी मां से उक्त दुरुपयोग से हुए नुकसान की भरपाई करने का निर्देश दिया। बाद में मामला केरल उच्च न्यायालय पहुंचा। यहां अदालत ने पारिवारिक अदालत से मिली राहत को आंशिक रूप से खारिज कर कहा कि महिला पति और उसकी मां द्वारा सोने के आभूषणों की हेराफेरी को साबित करने में विफल रही।

'स्त्रीधन' की परिभाषा भी बताई

मामला जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा तो शीर्ष अदालत ने कहा, 'स्त्रीधन' पत्नी और पति की संयुक्त संपत्ति नहीं है। पति के पास मालिक के रूप में ऐसी संपत्ति पर कोई स्वतंत्र प्रभुत्व नहीं होता। अदालत ने साफ किया कि किसी महिला को शादी से पहले, शादी के समय या विदाई के समय या उसके बाद उपहार में दी गई संपत्तियां स्त्रीधन संपत्तियां हैं। यह महिला की पूर्ण संपत्ति है। उसे अपनी खुशी के अनुसार इनका निपटान करने का पूरा अधिकार है।

3 अदालतों में चला मुकदमा हुआ लेकिन 13 साल बाद मिला इंसाफ

दरअसल, इस मामले में महिला ने दावा किया कि शादी के समय उसके परिवार ने 89 सोने के सिक्के उपहार में दिए थे। साथ ही पिता ने पति को दो लाख रुपये का चेक भी दिया था। संपत्ति से जुड़ा यह विवाद पहले केरल की फैमिली कोर्ट में गया, जहां महिला का दावा सही पाया गया। इसके बाद केरल उच्च न्यायालय ने इस आदेश को पलट दिया। केरल हाईकोर्ट के आदेश से असंतुष्ट महिला ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जहां अदालत ने उसका दावा सही पाया।

सीजी पीएससी घोटाले की जांच करेगी सीबीआई, केंद्र ने जारी की अधिसूचना

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2021 में हुई अनियमितता की जांच सीबीआई करेगी। केंद्र सरकार ने इस मामले में गुरूवार को अधिसूचना जारी कर दी है। विधानसभा चुनाव के दौरान यह मामला राज्य में काफी गरमाया हुआ था। पीएससी परीक्षा 2021 में की हुई अनियमितता को लेकर राज्य के युवाओं में बेहद आक्रोश था और इसको लेकर युवा सड़कों पर उतर आए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य के युवाओं के आक्रोश को देखते हुए इस मामले की जांच कराने और दोषी लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की गारंटी दी थी।

साय सरकार ने भी जारी की थी अधिसूचना

राज्य सेवा परीक्षा 2021 की अनियमितताओं की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में अधिसूचना 10 अप्रैल को जारी की गई थी। राज्य सेवा परीक्षा, 2021 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायतें, आईपीसी की धारा 420, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7/7-ए और 12 के तहत पुलिस स्टेशन-अर्जुंदा, जिला-बालोद में दर्ज की गई थी। (यथा संशोधित 2018) और आईपीसी की धारा 120 बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7/7-ए और 12 के तहत जिला-रायपुर के एसीबी/ईओडब्ल्यू पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 05/2024 दर्ज किया गया है।

170 पदों के लिए जारी हुई थी चयन सूची

छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2021 में राज्य के 12 विभागों के लिए 170 पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी की गई थी। चयन सूची जारी होते ही प्रतिभागी युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा था। युवाओं ने चयन प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद और गड़बड़ी को लेकर कई शिकायतें की और इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई थी। एन्टीकरप्शन ब्यूरो, आर्थिक अपराध ब्यूरो ने भी इस मामले में अपराध दर्ज किया था।

एनएसए डोभाल की दो टूक... आतंकवाद को रोकने देंगे रूस का साथ

मास्को। भारत ने आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए रूस का हर परिस्थिति में साथ देने का ऐलान किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए रूस का सहयोग करना जारी रखेगा।

आतंकवाद के खिलाफ दो टूक बोलते हुए एनएसए डोभाल ने सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक खुले, स्थिर, सुरक्षित, विश्वसनीय और समावेशी ढांचे के वास्ते अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग तथा आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा।

तुरंत हरकत में आया विदेश मंत्रालय

भारत के खिलाफ जहर उगलने पर अमेरिका की लगाई क्लास

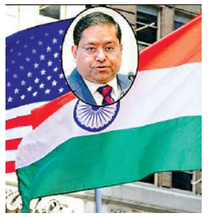

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मणिपुर सहित भारत के अन्य हिस्सों में मानवाधिकार उल्लंघन की कथित घटनाओं का हवाला देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। भारत की तरफ से भी इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया आई। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से इस रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण करार देते हुए कहा गया कि यह भारत की खराब समझ को दर्शाती है और हम इसे कोई महत्व नहीं देते हैं।

अमेरिका सरकार की रिपोर्ट में जातीय संघर्ष के फैलने के बाद मणिपुर में मानवाधिकारों के हनन की घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और भारत की खराब समझ को दर्शाती है।

रिपोर्ट में भारत सरकार की आलोचना

रिपोर्ट के भारत खंड में स्थानीय मानवाधिकार संगठनों, अल्पसंख्यक राजनीतिक दलों और प्रभावित समुदायों ने मणिपुर में हिंसा को रोकने और मानवीय सहायता प्रदान करने में देरी के लिए देश की सरकार की आलोचना की। एक वेबसाइट के कार्यालयों पर कर छापे का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इनकम टैक्स अधिकारियों की जांच अनियमितताओं से प्रेरित थी।

2002 के गुजरात दंगों का जिक्र

2002 के गुजरात दंगों पर एक डॉक्यूमेंट्री का जिक्र करते हुए अमेरिका के विदेश विभाग ने आरोप लगाया कि सरकार ने डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाने के लिए आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था। वीडियो लिंक हटाने को मजबूर किया और छात्र प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था।

ज्ञानवापी पर फैसला सुनाया था

जज को इंटरनेशनल नंबर से मिली धमकियां, सुरक्षा की मांग

मुंबई हलचल / वाराणसी

ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने वाले जज रवि दिवाकर को बरेली में विदेशी कॉल से धमकियां मिल रही हैं। इस संबंध में जज रवि दिवाकर ने बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अवगत कराया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 15 अप्रैल की शाम 8:42 बजे इंटरनेशनल नंबर से जज रवि दिवाकर के पर्सनल नंबर पर एक कॉल आई, जिसमें धमकी दी गई। हालांकि जज की ओर से इस कॉल के बाद किसी कॉल का जवाब नहीं दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए न्यायाधीश रवि दिवाकर के स्टाफ ने बताया कि कुछ दिन पहले

अनजान फोन से धमकी मिली थी। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर घटना की जानकारी दी गई है। पहले भी जज रवि दिवाकर को धमकी मिलती रही हैं। ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने के बाद रवि दिवाकर का तबादला बरेली हो गया था। इसके बाद शासन की ओर से न्यायाधीश रवि दिवाकर और इनके परिवार को सुरक्षा दी गई।

2024 का लोकसभा चुनाव कई मायनों में होगा खास

इसके आंकड़े उड़ा देंगे होश, दोगुना खर्च

यह दुनिया का सबसे महंगा इलेक्शन होगा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव पिछले रिकॉर्ड तोड़ने और दुनिया का सबसे महंगा चुनावी आयोजन बनने की राह पर है। एनजीओ सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (सीएमएस) ने यह दावा किया कि इन लोकसभा चुनाव में अनुमानित खर्च 1.35 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

यह राशि 2019 के चुनावों से दोगुने से भी अधिक है। तब आम चुनावों में करीब 60,000 करोड़ खर्च हुए थे। सीएमएस 35 वर्षों से चुनाव खर्च पर नजर रख रहा है। संस्थान के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि इस व्यापक खर्च में राजनीतिक दलों और संगठनों, उम्मीदवारों, सरकार और चुनाव आयोग सहित चुनावों से संबंधित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सभी खर्च शामिल हैं।

1.35 लाख करोड़ रुपए का अनुमान लगाया

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की रेस में हैं। राव ने कहा कि उन्होंने प्रारंभिक व्यय अनुमान को 1.2 लाख करोड़ से संशोधित कर 1.35 लाख करोड़ रुपए कर दिया है, जिसमें चुनावी बांड के खुलासे और सभी चुनाव-संबंधित खर्चों का हिसाब शामिल है। हालांकि, चुनावी बांड हिस्सेदारों के खुलासे के बाद हमने इस आंकड़े को संशोधित कर 1.35 लाख करोड़ कर दिया है।

60 प्रतिशत चुनाव फंड अज्ञात स्रोत से आए

बताया गया कि यह अनुमान मतदान की तारीखों की घोषणा से 3-4 महीने पहले हुए खर्च को कवर करता है। राव ने इस बात पर जोर दिया कि चुनावी बांड से परे विभिन्न माध्यमों से इस प्रक्रिया में पैसा आया। सोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया टिप्पणियों से भारत में राजनीतिक फंडिंग में "पारदर्शिता की महत्त्वपूर्ण कमी" का पता चला है। इसमें दावा किया गया है कि 2004-05 से 2022-23 तक, देश के6 प्रमुख राजनीतिक दलों को लगभग 60 प्रतिशत योगदान, कुल 19,083 करोड़ रुपए अज्ञात स्रोतों से आया, जिसमें चुनावी बांड से प्राप्त धन भी शामिल था।

खर्च में रैलियां व परिवहन व्यय भी शामिल

एडीआर ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए कोई संचयी व्यय अनुमान प्रदान करने से परहेज किया है। राव ने कहा कि चुनाव पूर्व गतिविधियां पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार खर्च का अभिन्न अंग हैं, जिसमें राजनीतिक रैलियां, परिवहन के साथ ही क्षेत्र और प्रभावशाली लोगों सहित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति भी शामिल है।

आकाश आनंद ने भरी हुंकार, कहा

अपने वोट का करें सही इस्तेमाल बसपा लोगों के लिए लड़ने वाली

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने गुरुवार को आजमगढ़ जिले के लालगंज लोकसभा क्षेत्र के मई खरगपुर में पार्टी प्रत्याशी डॉ. इंदू चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने जो वोट की ताकत दिया है

उसका प्रयोग हम इन पर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बसपा एक मिशन है। आम जनता के हित को लेकर लड़ने वाली पार्टी है। पार्टी मुखिया मायावती की नीतियां सभी जानते हैं। उनके शासन काल को भी लोगों ने देखा है।

तीन प्रत्याशियों के नाम घोषित

बसपा ने लोकसभा सीटों के लिए तीन प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। रायबरेली संसदीय सीट पर ठाकुर प्रसाद यादव, अंबेडकरनगर सीट पर कमर हयात अंसारी और बहराइच सीट पर बृजेश कुमार सोनकर को उम्मीदवार बनाया गया है।

युवाओं को रोजगार नहीं

आकाश आनंद ने कहा कि आज सबसे बुरा हाल युवाओं का है। मां-बाप काफी पैसा खर्च कर हमें पढ़ाते हैं। इसके बाद हमारी जिम्मेदारी होती है कि हम भी कमा कर मां-बाप व परिवार की देखभाल करें। लेकिन आज ऐसा हो नहीं है। युवाओं को रोजगार मिल नहीं रहा तो सरकारी नौकरी की भर्ती पेपर लीक होने के चलते रद्द हो जा रही है। जिसके चलते युवा बेरोजगार होकर घूमने को मजबूर हैं। ऐसा करने वालों को अब सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देहरादून में डेंगू-चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों पर सिस्टम 'मेहरबान', हाल देख आप भी कहेंगे 'हाय राम'

मुंबई हलचल / संवाददात

देहरादून। गर्मी बढ़ने के साथ दून में मच्छर भी सक्रिय हो गए हैं। वहीं, अस्पतालों में भी डेंगू-चिकनगुनिया के संदिग्ध मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। हालांकि, अभी तक डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वेक्टर जनित रोग के मरीज आने लगे हैं। ऐसे में सिस्टम की सुस्ती इस बार भी भारी पड़ सकती है। अब तक शहर में डेंगू-चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों की रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। नगर निगम की फागिंग भी कुछ मुख्य मार्गों तक ही सीमित नजर आ रही है। बीते वर्ष शहर में डेंगू ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी थी। ऐसे में इस बार भी सिस्टम की लापरवाही भारी पड़ सकती है। नगर निगम की ओर से समय पर एहतियाती कदम उठाते हुए शहर में बीते एक

अप्रैल से फागिंग शुरू किए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक न तो निगम की फागिंग नजर आई है और न ही कहीं लावीर्साइड का छिड़काव दिख रहा है। जबकि, गर्मी बढ़ने के साथ ही मच्छर सक्रिय हो गए हैं और गली-मोहल्लों में अभी से मच्छर परेशान कर रहे हैं। नगर आयुक्त की ओर से दो सप्ताह पूर्व ही स्वास्थ्य अनुभाग को डेंगू की रोकथाम के लिए सभी प्रभावी कदम उठाने और वषार्काल में लार्वा न पनपने देने के निर्देश दे दिए थे। जिसके बाद नगर निगम का दावा है कि एक अप्रैल से सघन आबादी क्षेत्रों में फागिंग शुरू भी कर दी गई। सफाई सुपरवाइजरों को वार्डवार फागिंग की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही अनुबंधित कंपनी से समय पर सभी संसाधन उपलब्ध कराने को कहा गया है। फागिंग मशीनें भी रिपेयर करा दी गई हैं। हालांकि, निगम के दावे धरातल पर नजर नहीं आ रहे हैं। जबकि, बीते वर्ष नगर निगम की ओर से जून में फागिंग शुरू की गई थी, तब जुलाई में बड़ी संख्या में डेंगू के मामले आने लगे थे और अगस्त-सितंबर में स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी। नगर निगम में इन दिनों कई वार्डों से फागिंग व लावीर्साइड का छिड़काव न होने की शिकायत मिल रही हैं।

कालोनियों में नालियों की सफाई पर भी ध्यान नहीं

शहर के गली-मोहल्लों में छोटी-बड़ी नालियां गंदे पानी से अटी पड़ीं हैं और कोई सुधलेवा नहीं। क्षेत्रवासी नगर निगम को लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई निगम की नींद अभी नहीं टूट रही है। शहर की ज्यादातर घनी कालोनियों में सफाई व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। नालियों में पानी और कूड़ा जमा है। गर्मी बढ़ने के साथ ही नालियों से उठ रही दुर्गंध से लोग परेशान हैं और मच्छर भी फैल रहे हैं। कई कालोनियों से निगम को चोक नालियां खोलने और सफाई करने की शिकायतें मिल रही हैं। छोटी-बड़ी नालियों की सफाई न होने से घरों के आसपास तेजी से मच्छर पनप रहे हैं।

कंपनी निवेशकों से 18,000 करोड़ जुटाने में रही सफल

वोडाफोन आइडिया को मिली नई जिंदगी करेगी स्मार्ट वापसी: कुमार मंगलम बिड़ला

मुंबई हलचल / मुंबई

भारी कर्ज बोझ से दबी वोडाफोन आइडिया ने हाल ही में अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिये 18,000 करोड़ रुपये का बड़ा कोष जुटाने में सफलता हासिल की है। वोडाफोन आइडिया में आदित्य बिड़ला समूह की प्रवर्तक हिस्सेदारी है।

वोडाफोन आइडिया में आदित्य बिड़ला समूह की प्रवर्तक हिस्सेदारी है

कंपनी ने हाल ही में अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम लाया

वोडाफोन आइडिया भारी कर्ज के बोझ से दबी है

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया का 18,000 करोड़ रुपये जुटाना उसके लिए एक 'नई जिंदगी' है और यह कंपनी एक 'स्मार्ट' वापसी करने में सफल रहेगी।

कंपनी 5जी सेवाओं पर ध्यान देगी

बिड़ला ने एफपीओ शेयरों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि दूरसंचार कंपनी अपना नेटवर्क बढ़ाने, इसे सघनता देने और चुनिंदा 5जी सेवाओं की पेशकश पर ध्यान केंद्रित करेगी।

जुटाई रकम कारोबार में खर्च की जाएगी

चेयरमैन ने इसे वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के लिए दूसरी जिंदगी 'वीआई 2.0' की शुरुआत बताते हुए कहा कि जुटाई गई रकम का कारोबार में निवेश किया जाएगा, जिससे वृद्धि का चक्र शुरू होगा। बिड़ला ने समारोह में कहा, 'वीआई एक स्मार्ट वापसी करेगी। यह पल वीआई 2.0 की शुरुआत का प्रतीक है।'

बाजार में तीन कंपनियों की मौजूदगी : यह पूछे जाने पर कि क्या पूंजी जुटाने से कंपनी की ज्यादातर समस्याएं सुलझ जाएंगी, बिड़ला ने सकारात्मक अंदाज में जवाब दिया। 'यह कंपनी के लिए एक तरह से नया जीवन है।' इसके साथ ही बिड़ला ने वीआईएल के लिए यहां तक का सफर सुनिश्चित करने और दूरसंचार बाजार में तीन कंपनियों की मौजूदगी बनाए रखने में मदद करने के लिए सरकार के सुधार पैकेज को भी श्रेय दिया।

कंपनी के पास 8000 मेगाहट्‌र्ज से अधिक स्पेक्ट्रम

बिडला ने वीआई को 'राष्ट्रीय संपत्ति' बताते हुए कहा, '1.4 अरब लोगों का देश तीन निजी दूरसंचार कंपनियों का हकदार है। यह 21.5 करोड़ लोगों को सेवा देती है और उसके पास 8,000 मेगाहट्‌र्ज से अधिक स्पेक्ट्रम है।' बिड़ला ने संवाददाताओं से बातचीत में इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बिक्री की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बिडला समूह ने 1.70 लाख करोड़ किया निवेश

चेयरमैन ने कहा कि वीआई के प्रवर्तकों वोडाफोन और आदित्य बिड़ला समूह ने अब तक इसमें 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और पिछले पांच वर्षों में कंपनी में आए 30,000 करोड़ रुपये के निवेश में से तीन-चौथाई प्रवर्तक कंपनियों से ही आए हैं। उन्होंने कहा कि वोडाफोन आइडिया का कुल कर्ज अब 4,000 करोड़ रुपये ही रह गया है।

कंपनी ने मुश्किल दौर पार कर लिया: खारा

इसी कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा कि बैंक अधिकारियों ने इस कंपनी से संबंधित मुश्किल दौर और चिंताओं को पार कर लिया है। उन्होंने दूरसंचार कंपनी में भरोसा और यकीन दर्शाने के लिए बिड़ला को श्रेय दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिमाग को रखना हैं शांत तो ड्राई फ्रूट में खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुनी होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आज हम आपको सूरजमुखी बीज के फायदे के बारे में बताते हं।

आइए जानिए फायदें

1.दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

2.ह्रदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

3.पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

4.हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

5.अस्थमा से राहत

अन्य तेल की तुलना में सूरजमुखी के तेल में विटामिन ई की भरपूर मात्रा पाई जाती हैं। इसलिए आप इसके तेल में खाना बना कर अस्थमा जैसी बीमारी से बच सकते हैं।

आखिर क्यों हमारा देश नहीं करता 'कॉस्मेटिक सर्जरी' को स्वीकार?

भारत एक ऐसा देश है जहां पर सुदंरता ही स्वीकारा जाता है। इसलिए ग्लैमर इंडस्ट्री में कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट का चलन बढ़ रहा है लेकिन यह एक विडंबना है कि तमाम तरह के लोकप्रियता के बाद भी लोग (विशेष तौर पर और अच्छे फिगर की वजह से जो सेलेब्स इस इंडस्ट्री में छाए हुए हैं, वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में मीडिया और अपने प्रशंसको को नहीं बताते। इसके पीछे का कारण यह है कि सर्जरी के बाद अपने शरीर में आए बदलाव के बाद कभी-कभी वे स्वंय संतुष्ट नहीं होते। उनका मजाक न बनाया जाए, इसलिए यह बात सबसे छिपा कर रखते है। डॉ. मोनिका कहती है कि सेलेब्स यदि कॉस्मेटिक सर्जरी भी कराते है वे दुनिया को इस बारे में बताना पंसद नहीं करते। वे इसे भगवान का आशीर्वाद कहते हुए प्राकृतिक सुदंरता बताते है लेकिन कुछ लोग साहसी होते है और खुलकर इस बारे में बतातें है कि उन्होंने सर्जरी का सहारा लिया है। ऐसे में उन लोगों को सलाम किया जाना चाहिए और उनकी तारिफ की जानी चाहिए जो अपनी खामियों और उनमें सुधार करने वाली प्रक्रिया के बारे में बात करते हैं।

अभिनेता) इससे के बारे में बोलने से कतराते है। मशहूर कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. मोनिका कपूर इस बात से सहमत नहीं है कि कॉस्मेटिक सर्जरी अथवा उपचार के बारे में बात करने से बचा जा रहा है। उनका कहना है कि कॉस्मेटिक सर्जरी हमारे देश में निषेद्ध अथवा टैबू नहीं है। बॉलीवुड और ग्लैमर इंडस्ट्री में तो यह एक फैशन हो गया है। हालांकि इसके बारे में बात करने वह इंकार करते है। क्योंकि कोई नहीं चाहता कि किसी को यह पता चलें कि उन्होंने सुंदर दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लिया है। अपनी खूबसूरती

8 घंटे की नींद नहीं ली तो हो जाएंगे इन बीमारियों के शिकार

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में चैन की नींद सो पाना हर किसी के नसीब में नहीं। लोग आजकल इतने व्यस्त है कि उन्हें सोने तक की फुरसत नहीं है, जिसके कारण लोगों की नींद अधूरी रह जाती है। कुछ लोगों तो अपने काम में इतने बिजी होता है कि वो छोटी-छोटी झपकियों में ही अपनी नींद पूरी करते हैं। हर उम्र के लोगों को कम से कम 8 घंटे की नींद जरूरी होती है। नींद पूरी न होने पर आप डिप्रेशन, अल्जाइमर, टाइप2 डायबिटीज, अनिद्रा और एंग्जाइटी जैसी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। एक रिसर्च के अनुसार नींद पूरी न होने पर लोग शारीरिक ही नहीं बल्कि कई मानसिक रोगों का शिकार हो सकते है। जर्नल बिहेवियर थेरेपी और मनोचिकित्सा के अनुसार नींद के पूरी न होने पर दिमाग में नैगेटिव विचार आते है, जोकि डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसी बीमारियों की कारण बनते है। कुछ लोग बार-बार नींद खुलने के कारण अपनी नींद नहीं पूरी कर पाते। इसके अलावा कुछ लोगों की रात को देर से सोने और सुबह समय से पहले जागने के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती, जिसके कारण वो थका और टूटा हुआ महसूस करते हैं। डाक्टरों का यह भी कहना है कि अनिद्रा के परिणामस्वरूप लोग हाईपरटेंशन, डायबिटीज, डिप्रैशन, मोटापे और नपुंसकता आदि अनेक गंभीर रोगों का शिकार हो सकता है। इससे बचने के लिए अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने चाहिए, जिससे आप इन समस्याओं से बच सकते हैं। इसके अलावा कोशिश करें आप पूरे दिन में कम से कम 7 घंटे चैन की नींद लें। कई बार आप गेप लेकर अपनी नींद को पूरा करते हैं। इससे भी आप इन बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

ट्रैंड में छाया न्यूट्रल कलर, आप भी ट्राई करें ये नेल पेंट

हर रोज बदल कर नेल पेंट लगाना लड़कियों का फैशन हैं। कॉलेज गर्ल्स हो या फिर ऑफिस वूमन्स, अपने सूट के साथ मैचिंग नेल पेंट या कोई अच्छा सा शेड लगाना पसंद करती है लेकिन इन ट्रैंड के हिसाब से नेल पेंट लगाने से आप अपने आपको स्टाइलिश लुक दे सकती है। इन दिनों न्यूट्रल नेल पेंट काफी चलन में है और लड़कियों इसे खूब पसंद भी कर रही है। यह कलर न केवल हाथों को डिसेंट लुक देता है बल्कि आपके हाथों की स्किन टोन अच्छे से उभरकर सामने आता है।

खास बात है कि आपको न्यूट्रल नेल पेंट में कई कलर्स मिल जाएगे। इसके अलावा यह लाइट नेल पेंट गर्लिश भी है। आपको इस कलर के नेल पेंट को किसी भी ड्रैस के साथ लगा सकती है क्योंकि यह हर लकर की आउटफिट्स पर परफैक्ट लुक देता है। आप हम आपको न्यूट्रल नेल पेंट में कुछ कलर्स बताएगे, जिन्हें हर लड़की ट्राई करके अपना स्टाइल फ्लॉन्ट कर सकती है।

पेस्टल मॉव कलर

यह न्यूट्रल नेल कलर आपको हाथों को क्लासी लुक देगा। आप इस कलर की नेल पेंट को किसी भी तरह की आउटफिट के साथ ट्राई कर सकती है।

पेस्टल पिंक शेड

अगर आप पिंक नेल पेंट लगाकर बोर हो चुकी है तो न्यूट्रल शेड में पिंक शेड ट्राई करें।

टॉफी टोन कलर

अगर आप न्यूट्रल शेड्स में कुछ अलग कलर ढूंढ रही है तो यह टॉफी टोन नेल पेंट ट्राई करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां दूर करेंगी ढेरों बीमारियां

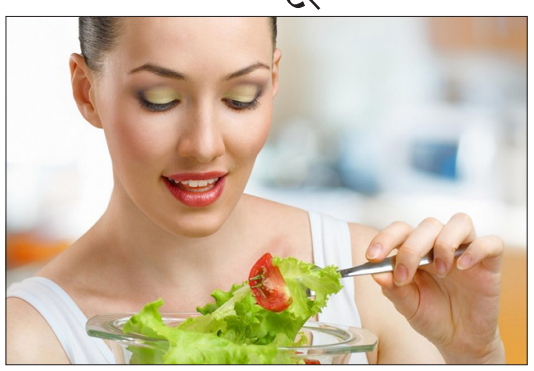

तंदुरूस्त शरीर पाने के बहुत जरूरी है। सर्दियों मिल जाती हैं। इनमें पोषक हैं जिससे शरीर को पूरा के साथ-साथ ब्यूटी के यह त्वचा, बाल, आंखों भी बचाव रखती है। इन सूप बनाकर भी सेवन किया का साग,बथुआ,मूली के भी बहुत सी सब्जियां इस खाने से सेहत से जुड़े कौन-लिए खान-पान का संतुलित होना के मौसम में हरी सब्जियां आसानी से तत्व भरपूर मात्रा में शामिल होते पोषण मिलता है। हरी सब्जियां सेहत लिए भी बहुत फायदेमंद होती हैं। आदि में होने वाली समस्याओं से सब्जियों का पका कर,सलाद या फिर जा सकता है। मेथी,पालक,सरसों पत्ते,चोलाई,धनिया के अलावा और लिस्ट में शामिल हैं। आइए जानें इनको कौन से फायदे मिलते हैं।

1. घुलनशील फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मिनरल्स से भरपुर हरी सब्जियां पेट संबंधित समस्याओं को दूर करती हैं। मिनरल्स युक्त भोजन खाने से कैंसर जैसी बीमारी से भी बचा जा सकता है। 2. बदलती लाइफ स्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी से लोग बहुत सारी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। कुछ लोग तो समय की कमी के कारण खुद के खान-पान का ख्याल नहीं रख पाते। इससे शरीर में खून की मात्रा भी कम होने का डर रहता है। इससे बचने के लिए हरी सब्जियां खाएं। पालक, सरसों, मेंथी जैसी सब्जियों में आयरन की मात्रा अच्छी होती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कई साल पहले संजय लीला भंसाली से काम मांगने गए थे फरदीन

फरदीन खान संजय लीला भंसाली की आने वाली वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' से स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। उन्हें पर्दे पर दिखे एक दशक से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। फरदीन और उनके फैंस उनकी वापसी को लेकर काफी उत्साहित है। फरदीन खान ने हाल ही में, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने को लेकर बातचीत की है। फरदीन खान ने एक ताजा साक्षात्कार में बताया कि वह 2000 के दशक की शुरूआत में संजय लीला भंसाली से काम मांगने के लिए उनके दफ्तर गए थे। दोनों के बीच करीब 10 से 15 मिनट तक बातचीत हुई थी, लेकिन फरदीन काम पाने में नाकाम रहे। फरदीन ने याद करते हुए बताया कि भंसाली ने उनसे कहा था कि वह उनके साथ काम नहीं कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें फरदीन की आंखों में वह आग नहीं दिखाई देती। जब फरदीन खान को संजय ने काम देने से मना कर दिया था तो उन्हें काफी बुरा लगा था। बाद में जब हीरामंडी के सिलसिले में फरदीन की संजय से मुलाकात हुई तो उन्होंने इस बारे में उनसे बात भी की थी। फरदीन ने संजय से कहा था कि बेशक मुझे खराब महसूस हुआ था, लेकिन मैं खुद भी वही सुनना चाहता था। मुझे उसकी जरुरत थी।

खत्म हुआ मनमुटाव!

भांजी आरती की शादी में चीची मामा ने दिया आशीर्वाद, बोले- ईश्वर उसे बुरी नजर से बचाए

गुरुवार को अभिनेत्री आरती सिंह ने पूरे रीत-रिवाज के साथ दीपक चौहान के साथ शादी रचाई। इस शादी में टीवी जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। आरती कॉमेडियन-एक्टर कृष्णा अभिषेक की बहन हैं और गोविंदा की भांजी हैं। आरती की शादी से पहले से यह सवाल उछल रहा था कि क्या गोविंदा अपनी भांजी की शादी में आएंगे? दरअसल, कृष्णा अभिषेक के साथ कुछ मतभेदों के चलते यह कयास लगाए जा रहे थे कि चीची शायद आरती की शादी में न आएं, लेकिन अभिनेता न सिर्फ शादी में आए बल्कि आरती को दुआएं देकर गए। गुरुवार 25 अप्रैल को हुए आरती-दीपक चौहान के शादी समारोह में पहुंचकर गोविंदा ने सभी को चौंका दिया। इस तरह कृष्णा अभिषेक के साथ लंबे वक्त से चले आ रहे झगड़े का भी अंत हो गया। कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच करीब आठ वर्षों से मन-मुटाव था। लेकिन, आरती की शादी में दोनों ने इन मतभेदों को भुलाकर खुशी के मौके का जश्न मनाया। इस दौरान गोविंदा मीडिया से रूबरू हुआ और आरती को आशीर्वाद दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान गोविंदा ने नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए कहा, 'ईश्वर से प्रार्थना है कि जो कृपा आरती पर हुई है किसी प्रकार का वास्तु दोष न लगे। भगवान उसे हर बुरी नजर से बचाएं'। गोविंदा शानदार अंदाज में शादी में पहुंचे। वह ब्लैक कलर के आउटफिट में काफी डैशिंग लगे। हालांकि, भांजी की शादी में गोविंदा अकेले ही आए।

शाहरुख हैं एक जादुई शख्सियत के मालिक

अभिनेता गजराज राव इन दिनों अपनी फिल्म 'मैदान' की वजह से सुर्खियां बटोर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। इस फिल्म में वे अजय देवगन के साथ स्क्रीन साझा करते दिखाई दिए हैं। फिल्म 'बधाई हो' से गजराज राव को एक अलग पहचान मिली। हाल ही में अभिनेता अपने पुराने दिनों के बारे में बातें करते दिखे। गजराज राव बॉलीवुड में अलग तरह की भूमिकाएं निभाने के लिए मशहूर हैं। आज फिल्म इंडस्ट्री में वे किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं, लेकिन उनके लिए यहां अपनी पहचान बना पाना आसान नहीं था। काफी मेहनत के बाद वे इस मुकाम पर पहुंचे हैं। साल 1998 में आई फिल्म 'दिल से' में वे एक छोटे से, लेकिन अहम किरदार में नजर आए थे। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान गजराज 'दिल से' के दिनों को याद करते हुए बोले, 'उन दिनों शाहरुख खान के साथ मैं भी दिल्ली में 'दिल से' फिल्म की शूटिंग कर रहा था। हम दिल्ली की सड़कों पर एक दृश्य शूट कर रहे थे। पता नहीं लोगों को कैसे इस बात की भनक लग गई। वे हमारा पीछा करने लगे। देखते ही देखते 500-1000 लोग हमारे गाड़ी के पीछे चलने लग गए। हम सब उस समय डर गए थे कि कहीं कोई हादसा न हो जाए'। गजराज राव ने अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 'भीड़ देखकर मणिरत्नम जी ने कहा कि हमें शूटिंग रोकनी पड़ेगी। यह सुनकर शाहरुख खान ड्राइवर से बोले कि आप साइड में गाड़ी रोकिए। शाहरुख एम्बुलेंस से निकले और लोगों से बोले कि अगर आपलोग यूं ही हमारा पीछा करते रहेंगे तो कोई हादसा हो जाएगा और हमें शूटिंग रद्द करनी पड़ेगी। क्या आप ये चाहते हैं। आप यकीन नहीं करेंगे उनकी यह बात सुनकर भीड़ गायब होने लगी। लोग बोले नहीं आप शूटिंग करो जी। शाहरुख खान ही ऐसा कर सकते हैं। लोग उनकी बात सुनते भी हैं और मानते भी हैं'।